● पढ़ो, समझो और बताओ :

११. प्रगति

प्रस्तुत एकांकी के माध्यम से लेखक ने विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनकी अभिरुचि एवं रुझान को विशेष महत्त्व प्रदान किया है ।

स्वयं अध्ययन

किसी अपठित कविता का पाठ करो और उसके आधार पर टिप्पणी लिखो ।

पात्र परिचय –

समीक्षा–९ साल की बेटी, ज्ञानेश–१२ साल का बेटा, माँ, पिता जी, बुआ जी, दादी माँ, मामा जी, प्रधानाध्यापक ।

प्रथम दृश्य

[दो बच्चे–समीक्षा और ज्ञानेश, समीक्षा चौथी कक्षा में और ज्ञानेश सातवीं में पढ़ रहा है। परदा खुलते ही एक मध्यम वर्ग के परिवार का दृश्य उपस्थित होता है । माँ अपने घरेलू कार्य में व्यस्त है । समीक्षा का रोते हुए आगमन]

बुआ जी : क्या बात हुई ? कौन–सा आसमान टूट पड़ा जो रोए चली जा रही है ?

समीक्षा : ज्ञानेश ने मुझे मारा ।

माँ : यह तो मैं जानती हूँ, एक दिन की छुट्टी क्या आती है मेरी तो शामत आ जाती है । सुबह से तुम्हारी तू–तू, मैं–मैं शुरू हुई है । एक पल का चैन नहीं । क्यों मारा ज्ञानेश ने ?

समीक्षा : पापा ने मुझे बैडमिंटन का रैकेट लाकर दिया था । मैंने रैकट उसे नहीं दिया तो लगा मारने ।

बुआ जी : और तूने मार खा ली ?

समीक्षा : मैं उसे मारूँगी तो आप कहेंगी कि तुम छोटी हो, वह बड़ा है, बड़ों पर हाथ नहीं उठाना चाहिए । वरना मैं उसे वह मजा चखाती कि याद रखता ।

दादी माँ : **(हँसकर)** अच्छा–अच्छा । रो मत रानी बेटी, मैं अभी उसे बुलाकर डाँटती हूँ । ज्ञानेश–ओ–ज्ञानेश !

ज्ञानेश : **(डरा–डरा, धीरे–धीरे आता है ।)** क्या है माँ ?

माँ : मैंने तुझे हजार बार कहा है कि छोटी बहन को मत सताया करो । क्यों मारा तुमने समीक्षा को ?

ज्ञानेश : पहले इसने अपना रैकेट मुझे नहीं दिया और मैं छीनने लगा तो इसने मुझे जोर से धक्का दिया ।

माँ : पर रैकेट तो इसका है न, तुमने क्यों छीना ?

ज्ञानेश : पापा ने कहा था कि दोनों इससे खेलना । मुझे तो अभी खेलना था ।

माँ : ठीक है, कल मैं तुझे अलग रैकेट लाकर दूँगी । आइंदा छोटी बहन को मारना मत, समझे ।

ज्ञानेश : मुझे अभी पैसे दे दो मम्मी, मैं बाजार से नई रैकेट लेकर आऊँगा ।

माँ : देखो बेटे, जिद नहीं किया करते । **(प्यार से)** मेरा अच्छा बेटा, माँ का कहना मानेगा न !

ज्ञानेश : समीक्षा चल, हम दोनों खेलते हैं ।

समीक्षा : हाँ, चलो । **(दोनों खेलने के लिए भाग जाते हैं ।)**

माँ : चलो, थोड़ी देर तो पिंड छूटा ।

❑ उचित हाव–भाव, आरोह–अवरोह के साथ इस पाठ के किसी एक बड़े संवाद का आदर्श वाचन करें । विद्यार्थियों से मुखर वाचन कराएँ । एकांकी का कक्षा में नाट्यवाचन कराएँ । प्रश्नोत्तर एवं चर्चा के माध्यम से पाठ के मुद्दों को स्पष्ट करें ।

जरा सोचो ..... बताओ ।

यदि सभी बच्चे एक-दूसरे से झगड़ना बंद कर दें तो ...

दूसरा दृश्य

(घर में पति-पत्नी बातचीत करते हुए)

माँ : आप तो ऑफिस चले जाते हैं और मैं इन दोनों से तंग आ जाती हूँ । समीक्षा तो थोड़ा कहना मान भी लेती है पर ज्ञानेश तो सारा दिन तोड़-फोड़ में लगा रहता है ।

पिता जी : समीक्षा शांत स्वभाव की है । वह जिज्ञासु और खोजी वृत्ति की है पर ज्ञानेश थोड़ा गरम मिजाज का है ।

माँ : ज्ञानेश तो हर समय कुछ-न-कुछ करता रहता है । कल बैठे-बैठे टी. वी. का रिमोट खोल दिया ।

पिता जी : अच्छा ! लेकिन क्यों ?

माँ : पूछा तो बताया, रिमोट कैसे चलता है, देखना चाहता हूँ ।

पिता जी : अरे, समझ लो कि उसमें जिज्ञासा कूट-कूट कर भरी हुई है । बड़ा चुस्त और चंचल वृत्ति का है ।

[मामा जी का प्रवेश]

मामा जी : नमस्कार ! क्या चल रहा है ?

पिता जी : आइए, बहुत दिनों के बाद याद आई अपनी बहन की ।

मामा जी : मैं ऑफिस के काम से एक सप्ताह के लिए बाहर गया था, दीदी ! बच्चे दिखाई नहीं दे रहे हैं ?

माँ : अरे, यहीं कहीं खेल रहे होंगे । आप लोग बैठिए, मैं चाय लाती हूँ ।

(चाय लाने अंदर जाती हैं ।)

पिता जी : आपकी बहन जी ज्ञानेश से परेशान हैं, थोड़ा नटखट है न ।

मामा जी : वैसे अपना ज्ञानेश है बड़ा चुस्त ! पचासों बातें एक साथ पूछता है ।

बुआ जी : कई बार समीक्षा विज्ञान की बातें पूछने लगती है । मुझे विज्ञान की ज्यादा जानकारी नहीं है ।

मामा जी : विज्ञान की ढेर सारी पुस्तकें मिलती हैं । इंटरनेट पर भी पढ़ना चाहिए ।

माँ : पढ़ना तो पड़ेगा वरना ये बच्चे पता नहीं कब क्या पूछ बैठें ?

[समीक्षा और ज्ञानेश का प्रवेश]

ज्ञानेश, समीक्षा : प्रणाम मामा जी !

मामा जी : खुश रहो बच्चों, कैसे हो ?

समीक्षा : अच्छी हूँ । मामा जी मालूम है । मामी जी से बात हुई तो उन्होंने बताया कि अनन्य भैया डॉक्टर बनेंगे ।

मामा जी : अच्छा ! ठीक है डॉक्टर बनेगा तो हम सब उससे दवा लेंगे ।

❑ अंतरजाल की सहायता से सैनिक विद्यालय में प्रवेश के नियमों की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहें । वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, बताने के लिए कहें । पाठ में आए कर्ता, कर्म, करण के चिह्नों के पहले आए शब्दों की सूची बनवाएँ ।

मेरी कलम से

पाठ्यपुस्तक की किन्हीं चार-पाँच पंक्तियों का मराठी में अनुवाद करो एवं अंग्रेजी में लिप्यंतरण करो ।

ज्ञानेश : दवा तो बीमार लेते हैं । आप बीमार थोड़े हैं ? **(सब हँसते हैं, माँ चाय लेकर आती हैं ।)**

माँ : इससे पूरे दिन बात करते रहो यह थकेगा नहीं ।

दादी जी : ज्ञानेश ! मामा जी को बताओ, तुम बड़े होकर क्या बनोगे ?

ज्ञानेश : बड़ा होकर ? बड़ा होकर मैं-मैं सेना में कप्तान बनूँगा ।

समीक्षा : मामा जी बड़ी होकर मैं वैज्ञानिक बनूँगी ।

मामा जी : शाबाश ! ज्ञानेश तुझे कप्तान और समीक्षा को वैज्ञानिक बनाएँगे । **[बच्चे अंदर जाते हैं ।]**

पिता जी : **(पत्नी से)** सुन लिया आपके ज्ञानेश जी तो सेना में कप्तान बनेंगे और बिटिया वैज्ञानिक होगी ।

मामी जी : यह सेना में न जाने कब कप्तान बनेगा, घर में तो शैतान बना हुआ है ।

मामा जी : प्रधानाध्यापक से पता लगाना चाहिए कि ये बच्चे कौन-कौन-से क्षेत्र में सफल हो सकते हैं ।

पिता जी : ठीक है, आपकी राय दुरुस्त है । एक दिन बच्चों के स्कूल जाकर उनसे बात करूँगा ।

मामा जी : जरूर कीजिए, मुझे भी बताइए । अच्छा नमस्कार । मैं चलता हूँ ।

तीसरा दृश्य

(प्रधानाध्यापक का कक्ष, माँ और पिता जी उनके कक्ष में जाते हैं ।)

माँ-पिता जी : नमस्कार !

प्रधानाध्यापक : नमस्कार ! नमस्कार !! बैठिए, कहिए कैसे आना हुआ ?

पिता जी : आज समय निकाला । सोचा स्कूल जाकर बच्चों की प्रगति के बारे में पूछ लूँ ।

प्रधानाध्यापक : हमें अभिभावकों के सहयोग की बहुत आवश्यकता होती है । आप लोगों की सहायता से विद्यालय की कई गतिविधियों को सुचारु ढंग से चला सकते हैं ।

माँ : सर ! ज्ञानेश और समीक्षा की विशेष रुचि किन विषयों में हैं ?

प्रधानाध्यापक : ज्ञानेश खेल-कूद अन्य गतिविधियों में बहुत तेज है । नेतृत्व के अच्छे गुण उसमें हैं । समीक्षा की रुचि तो विज्ञान में बहुत अधिक है ।

पिता जी : इसी विषय में मुझे निर्णय लेना है । इनके लिए कौन-सा क्षेत्र ठीक रहेगा ? आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता है ।

प्रधानाध्यापक : **(चार्ट ध्यान से देखते हैं ।)** समीक्षा को विज्ञान में आगे बढ़ने देना ठीक होगा ।

पिता जी : क्या ज्ञानेश को अगले वर्ष सैनिक विद्यालय में भर्ती करना उचित होगा ?

माँ : इसके लिए क्या-क्या करना पड़ेगा ?

प्रधानाध्यापक : मैं आपको जानकारी दे दूँगा । आप निश्चिंत रहिए ।

पिता जी : मैं आपका आभारी रहूँगा ।

प्रधानाध्यापक : आभार किस बात का ? यह मेरा कर्तव्य है । मेरे स्कूल में पढ़ने वाला बच्चा प्रगति करे इससे ज्यादा खुशी मेरे लिए और क्या हो सकती है ?

[माँ-पिता जी, प्रधानाध्यापक जी के कक्ष से निकलते हैं । परदा बंद होता है ।]

❑ संवाद के अव्ययों को ढूँढ़कर लिखवाएँ । अव्ययों का वर्गीकरण कराके उनकी सूची बनवाएँ । विविध व्यवसायों के संबंध में उनसे चर्चा कराएँ । विद्यार्थियों की अभिरुचि/रुझान के बारे में समुपदेशक से मार्गदर्शन कराएँ ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

शामत आना = मुसीबत आना

सुचारु = सुंदर

मुहावरे

आसमान टूट पड़ना = संकट आना

पिंड छूटना = मुक्ति पाना

नाक में दम करना = परेशान करना

सुनो तो जरा

बालविज्ञान परिषद संबंधी जानकारी सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

एक शब्द से अनेक शब्द बनाने की पहेलियाँ बूझो/बुझाओ ।
जैसे- अहमदनगर= अहमद, नगर, मदन, अगर ।

वाचन जगत से

किसी कहानी के बारे में स्व मत लिखो ।

विचार मंथन

।। सीमा की रक्षा, देशवासियों की सुरक्षा ।।

अध्ययन कौशल

अंतरजाल/पुस्तक से जानकारी पढ़ो और टिप्पणी लिखो :

- थलसेना
- वायुसेना
- नौसेना

खोजबीन

भारत के प्रसिद्ध शहरों के प्राचीन नाम ढूँढ़ो और बताओ ।

*** किसने किससे कहा है ?**

(क) ''वरना मैं उसे मजा चखाती ।''
(ख) ''आइए, बहुत दिनों के बाद याद आई अपनी बहन की ।''
(ग) ''कई बार समीक्षा विज्ञान की बातें पूछने लगती है ।''
(घ) ''मैं आपको जानकारी दे दूँगा ।''
(च) ''जरूर कीजिए, मुझे भी बताइए ।''
(छ) ''इनके लिए कौन-सा क्षेत्र ठीक रहेगा ?''

सदैव ध्यान में रखो

विद्यार्थियों के भविष्य की नींव विद्यालय में डाली जाती है ।

भाषा की ओर

परिच्छेद पढ़ो,कारक पहचानकर उनकी विभक्तियाँ और प्रत्येक कारक का एक-एक वाक्य लिखो :

मेरा घर सड़क के किनारे है । एक दिन मिनी मेरे कमरे में खेल रही थी । अचानक वह खेल छोड़कर खिड़की के पास दौड़ी गई और बड़े जोर से चिल्लाने लगी, ''काबुलीवाले, ओ काबुलीवाले !''

कंधे पर मेवों की झोली लटकाए, हाथ में अंगूर की पिटारी लिए लंबा-सा काबुलीवाला धीमी चाल से सड़क पर जा रहा था । जैसे ही वह मकान की ओर आने लगा, मिनी भीतर भाग गई । उसे डर लगा कि कहीं वह उसे पकड़ न ले जाए । उसके मन में बात बैठ गई थी कि काबुलीवाले की झोली के अंदर तलाश करने पर उस जैसे और भी दो-चार बच्चे मिल जाएँगे । काबुली ने मुसकराते हुए मुझे सलाम किया । मैंने उससे कुछ सौदा खरीदा फिर वह बोला, ''बाबू साहब, आप की लड़की कहाँ गई ?''

मैंने मिनी के मन से डर दूर करने के लिए उसे बुलवा लिया । काबुलीवाला ने झोली से किशमिश और बादाम निकालकर मिनी को देना चाहा पर उसने कुछ न लिया । डरकर वह मेरे घुटनों से चिपट गई । कुछ दिन बाद, किसी जरूरी काम से मैं बाहर जा रहा था देखा कि मिनी काबुलीवाले से खूब बातें कर रही है । काबुलीवाला मुसकराता हुआ सुन रहा है ।

	कारक	कारक की विभक्ति	वाक्य
(१)	----------	----------	----------
(२)	----------	----------	----------
(३)	----------	----------	----------
(४)	----------	----------	----------
(५)	----------	----------	----------
(६)	----------	----------	----------
(७)	----------	----------	----------